Regarding Tunnel facility in Jammu and Kashmir

श्री अब्दुल रशीद शेख **(**बारामूला**) :** सर, आपका बहुत-बहुत धन्ययवाद । मैं आपको तवज्जो दिलाना चाहूंगा कि करना, कैरल और मिसल कुपवाड़ा के, नॉर्थ कश्मीर के बहुत ही फार फ्लंग कटऑफ एरियाज़ हैं । वहां टनल की व्यवस्था होनी चाहिए । ये एरियाज़ छह महीने कटऑफ रहते हैं । वहां छह महीने कोई ट्रांसपोर्ट नहीं होता है । छह महीने वहां लोग भगवान भरोसे रहते हैं । सरकार से मेरी गुज़ारिश है कि करना, कैरल और मिसल के लिए टनल की व्यवस्था की जाए । साथ ही मेरी रिक्वेस्ट यह भी है कि वसीम आमिर मीर और मक्खन मीर का, अभी पिछले दिनों, आपने पेपर में पढ़ा होगा कि फोर्सेज़ के हाथों इनकी डेथ हो गई, उसकी इनवेस्टिगेशन होनी चाहिए । हमारा खून सस्ता नहीं है । हमें जीने दो । हमें जीने का हक है । हमारे खून की कुछ कदर करो, कुछ लाज रखो । क्यों रोज़ वसीम मीर जैसों के खून की जरूरत हमारी फोर्सेज़ को पड़ती है? मेरी अपनी सरकार से गुज़ारिश है कि इसकी पूरी इनवेस्टिगेशन हो । ? (व्यवधान)